NCERTENGLISH.IN
LEARN, GROW AND ACHIEVE WITH US

Two Stories About Flying Summary

The story 'The Black Aeroplane' is very interesting and mysterious. The whole story revolves around the mystery, 'Who was another pilot?'

The narrator followed him like an obedient child, but in the meantime, his full tank got exhausted. Suddenly he noticed a row of lights on the ground. It was a runway. He landed safely.

At the start of the story, we find that the narrator (pilot) is going back to England from France. He was dreaming about his family and having breakfast with them. Reaching the plot of the story seems to be simple. However, unexpectedly it raises inquisitiveness and edginess in the minds of readers. The story jumps to a point where the pilot gets stuck in the dark clouds. It was a breath-taking experience for the narrator, The aeroplane was shrieking and twisting because of the dark, stormy weather.

Unfortunately, his radio, compass, and all other technical inputs had stopped functioning. He wondered how to deal with such a complex condition. Just then he sees an array of hope as he finds a black aeroplane around him. The pilot of the black aeroplane guided him on the way out of the clouds.

The narrator reached the control room and the first thing he enquired about the duty woman sitting there was to discover the pilot who had saved his life. This made him surprised as she confirmed to him that there was no other aeroplane flying in the radar (sky). He couldn't understand how to counter but he was left in a state of wonder and shock.

Also Read:- ***Two Stories About Flying Questions and Answers***

Two Stories About Flying Summary in Hindi

द ब्लैक एरोप्लेन' कहानी बेहद दिलचस्प और रहस्यमयी है। पूरी कहानी इस रहस्य के इर्द-गिर्द घूमती है, 'दूसरा पायलट कौन था?'

कथावाचक ने एक आज्ञाकारी बच्चे की तरह उसका पीछा किया, लेकिन इस बीच, उसका पूरा ईंधन ख़त्म हो गया। अचानक उसकी नज़र ज़मीन पर रोशनी की एक कतार पर पड़ी। यह एक रनवे था. वह सुरक्षित उतर गया.

कहानी की शुरुआत में हम पाते हैं कि कथावाचक (पायलट) फ्रांस से वापस इंग्लैंड जा रहा था। वह अपने परिवार के बारे में सपने देख रहा था और उनके साथ नाश्ता कर रहा था। कहानी के कथानक तक पहुँचते-पहुँचते यह सरल और सीधी प्रतीत होती है। हालाँकि, अप्रत्याशित रूप से यह पाठकों के मन में जिज्ञासा और उत्सुकता पैदा करता है। कहानी ऐसे बिंदु पर पहुंचती है जहां पायलट काले बादलों में फंस जाता है। यह वर्णनकर्ता के लिए एक लुभावनी अनुभव था, हवाई जहाज अंधेरे, तूफानी मौसम के कारण चीख रहा था और मुड़ रहा था।

दुर्भाग्य से, उनके रेडियो, कंपास और अन्य सभी तकनीकी इनपुट ने काम करना बंद कर दिया था। उन्हें आश्चर्य हुआ कि ऐसी जटिल स्थिति से कैसे निपटा जाए। तभी उसे आशा की किरण दिखाई देती है क्योंकि उसे अपने चारों ओर एक काला हवाई जहाज दिखाई देता है। काले हवाई जहाज के पायलट ने उसे बादलों से बाहर निकलने का रास्ता दिखाया।

वर्णनकर्ता नियंत्रण कक्ष में पहुंचा और सबसे पहले उसने वहां बैठी ड्यूटी महिला से पूछताछ की और उस पायलट का पता लगाया जिसने उसकी जान बचाई थी। इससे वह आश्चर्यचकित हो गया क्योंकि उसने उसे पुष्टि की कि रडार (आकाश) में कोई अन्य हवाई जहाज नहीं उड़ रहा था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह कैसे प्रतिकार करे लेकिन वह आश्चर्य और सदमे की स्थिति में रह गया।